

COST ACCOUNTING

Question 1 (4 Marks)

English: Define Cost Accounting. How does it differ from Financial Accounting?

Hindi: लागत लेखांकन को परिभाषित कीजिए। यह वित्तीय लेखांकन से किस प्रकार भिन्न है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Cost Accounting is the process of accounting for cost from the point at which expenditure is incurred or committed to the establishment of its ultimate relationship with cost centers and cost units.
 - **Difference:** Financial Accounting records historical financial transactions to show overall profit/loss and financial position, whereas Cost Accounting determines product-wise cost to assist management in planning, controlling, and decision-making.
- **Hindi:** लागत लेखांकन लागत के व्यय होने या उसके लिए प्रतिबद्ध होने के बिंदु से लेकर लागत केंद्रों और लागत इकाइयों के साथ उसके अंतिम संबंध की स्थापना तक लागत के लेखांकन की प्रक्रिया है।
 - **अंतर:** वित्तीय लेखांकन कुल लाभ/हानि और वित्तीय स्थिति दिखाने के लिए ऐतिहासिक वित्तीय लेनदेन दर्ज करता है, जबकि लागत लेखांकन प्रबंधन को योजना, नियंत्रण और निर्णय लेने में मदद करने के लिए उत्पाद-वार लागत निर्धारित करता है।

Question 2 (4 Marks)

English: What is CAS-1? Explain the classification of cost on the basis of behavior under CAS-1.

Hindi: CAS-1 क्या है? CAS-1 के तहत व्यवहार के आधार पर लागत के वर्गीकरण को समझाइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** CAS-1 refers to the Cost Accounting Standard on "Classification of Cost" issued by ICAI. On the basis of behavior/variability, costs are classified as:
 1. **Fixed Costs:** Costs that remain constant in total regardless of output volume changes (e.g., Factory Rent).
 2. **Variable Costs:** Costs that vary directly in total proportion to changes in volume (e.g., Direct Material).
 3. **Semi-Variable Costs:** Costs containing both fixed and variable elements (e.g., Power/Telephone bills).
- **Hindi:** CAS-1 ICAI द्वारा जारी "लागत के वर्गीकरण" पर लागत लेखांकन मानक को संदर्भित करता है। व्यवहार/परिवर्तनशीलता के आधार पर लागत को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया है:
 1. **स्थिर लागत (Fixed Costs):** उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन के बावजूद कुल मिलाकर स्थिर रहने वाली लागत (उदा., कारखाने का किराया)।

2. **परिवर्तनशील लागत (Variable Costs):** उत्पादन मात्रा में परिवर्तन के सीधे अनुपात में बदलने वाली लागत (उदा., प्रत्यक्ष सामग्री)।
3. **अर्ध-परिवर्तनशील लागत (Semi-Variable Costs):** जिसमें स्थिर और परिवर्तनशील दोनों तत्व शामिल होते हैं (उदा., बिजली का बिल)।

Question 3 (4 Marks)

English: Distinguish between 'Direct Cost' and 'Indirect Cost' with examples.

Hindi: उदाहरण सहित 'प्रत्यक्ष लागत' और 'अप्रत्यक्ष लागत' में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Direct Cost:** Expenses that can be directly identified and easily traced to a specific cost unit or product (e.g., Timber in furniture making, wages of lathe operator).
 - **Indirect Cost:** Expenses that cannot be directly traced to a specific product and are apportioned across multiple units or departments (e.g., Factory supervisor salary, lubricants, factory lighting).
- **Hindi:**
 - **प्रत्यक्ष लागत:** वे खर्चे जिन्हें सीधे किसी विशिष्ट लागत इकाई या उत्पाद से पहचाना और जोड़ा जा सकता है (जैसे: फर्नीचर बनाने में लकड़ी, खराद ऑपरेटर की मजदूरी)।
 - **अप्रत्यक्ष लागत:** वे खर्चे जिन्हें सीधे किसी विशिष्ट उत्पाद से नहीं जोड़ा जा सकता और जिन्हें विभिन्न इकाइयों या विभागों में विभाजित किया जाता है (जैसे: कारखाने के सुपरवाइजर का वेतन, स्नेहक तेल, कारखाने की रोशनी)।

Question 4 (4 Marks)

English: What is Economic Order Quantity (EOQ)? State its formula and components.

Hindi: आर्थिक आदेश मात्रा (EOQ) क्या है? इसके सूत्र और घटकों का उल्लेख कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Economic Order Quantity (EOQ) is the ideal order size that minimizes total inventory costs, comprising ordering costs and carrying/holding costs.

$$EOQ = \sqrt{\frac{2 \times A \times O}{C}}$$

Where: A = Annual Demand, O = Ordering Cost per order, C = Carrying Cost per unit per year.

- **Hindi:** आर्थिक आदेश मात्रा (EOQ) वह आदर्श आदेश आकार है जो कुल स्टॉक लागत (जिसमें आदेश देने की लागत और स्टॉक रखने की लागत शामिल है) को न्यूनतम करता है।

$$EOQ = \sqrt{\frac{2 \times A \times O}{C}}$$

जहाँ: A = वार्षिक मांग, O = प्रति आदेश लागत, C = प्रति इकाई वार्षिक स्टॉक रखने की लागत।

Question 5 (4 Marks)

English: Differentiate between FIFO and LIFO methods of material pricing.

Hindi: सामग्री मूल्यंकन की FIFO और LIFO विधियों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **FIFO (First-In, First-Out):** Assumes materials received first are issued first. Closing stock is valued at recent purchase prices. Ideal during falling prices.
- **LIFO (Last-In, First-Out):** Assumes materials received last are issued first. Closing stock is valued at older prices. Matches current costs with current revenues during inflation.

- **Hindi:**

- **FIFO (प्रथम आगमन, प्रथम निर्गमन):** यह मानता है कि पहले प्राप्त सामग्री को पहले जारी किया जाता है। अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन नवीनतम खरीद मूल्यों पर किया जाता है। गिरती कीमतों के समय उपयुक्त।
- **LIFO (अंतिम आगमन, प्रथम निर्गमन):** यह मानता है कि अंत में प्राप्त सामग्री को पहले जारी किया जाता है। अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन पुराने मूल्यों पर होता है। मुद्रास्फीति के दौरान वर्तमान लागत को वर्तमान आय से मिलाता है।

Question 6 (4 Marks)

English: Explain 'ABC Analysis' as a technique of inventory control.

Hindi: सामग्री नियंत्रण की तकनीक के रूप में 'ABC विश्लेषण' को समझाइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** ABC Analysis categorizes inventory items into three classes based on value and volume according to Pareto's principle (80/20 rule):
 - **Category A:** High value ($\approx 70\% - 80\%$ of total value), low quantity ($\approx 10\% - 15\%$). Strict control needed.
 - **Category B:** Moderate value ($\approx 15\% - 20\%$), moderate quantity ($\approx 20\% - 30\%$). Moderate control.
 - **Category C:** Low value ($\approx 5\% - 10\%$), high quantity ($\approx 50\% - 60\%$). Simple control.

- **Hindi:** ABC विश्लेषण पारेतो के सिद्धांत (80/20 नियम) के आधार पर मूल्य और मात्रा के अनुसार सामग्री को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करता है:
 - **श्रेणी A:** उच्च मूल्य ($\approx 70\% - 80\%$), कम मात्रा ($\approx 10\% - 15\%$)। कड़ा नियंत्रण आवश्यक।
 - **श्रेणी B:** मध्यम मूल्य ($\approx 15\% - 20\%$), मध्यम मात्रा ($\approx 20\% - 30\%$)। सामान्य नियंत्रण।
 - **श्रेणी C:** कम मूल्य ($\approx 5\% - 10\%$), अधिक मात्रा ($\approx 50\% - 60\%$)। साधारण नियंत्रण।

Question 7 (4 Marks)

English: What is meant by Normal Material Loss and Abnormal Material Loss?

Hindi: सामान्य सामग्री हानि और असामान्य सामग्री हानि से क्या तात्पर्य है?

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Normal Material Loss:** Inherent and unavoidable loss occurring under normal operating conditions (e.g., evaporation, shrinkage, wastage). It is absorbed into the cost of good units produced.
 - **Abnormal Material Loss:** Loss over and above normal loss caused by carelessness, accidents, or defective machinery. It is charged directly to the Costing Profit and Loss Account.
- **Hindi:**
 - **सामान्य सामग्री हानि:** स्वाभाविक और अपरिहार्य हानि जो सामान्य परिचालन स्थितियों के तहत होती है (जैसे: वाष्पीकरण, सिकुड़न)। इसे उत्पादित अच्छी इकाइयों की लागत में शामिल कर लिया जाता है।
 - **असामान्य सामग्री हानि:** असावधानी, दुर्घटनाओं या खराब मशीनरी के कारण सामान्य सीमा से अधिक होने वाली हानि। इसे सीधे लागत लाभ और हानि खाते (Costing P&L A/c) में नामे (charge) किया जाता है।

Question 8 (4 Marks)

English: Define 'Labour Turnover'. State two main causes of Labour Turnover.

Hindi: 'श्रम आवर्तन' (Labour Turnover) को परिभाषित कीजिए। श्रम आवर्तन के दो मुख्य कारण बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Labour Turnover refers to the rate of change in the labor force of an organization during a specified period due to workers leaving or being replaced.

Causes:

1. **Personal Causes:** Domestic obligations, retirement, ill-health, or better opportunities elsewhere.

2. **Unavoidable Causes:** Seasonal nature of business, shortage of raw material, or retrenchment.
- **Hindi:** श्रम आवर्तन से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि के दौरान श्रमिकों के संस्थान छोड़ने या बदले जाने के कारण श्रम बल में होने वाले परिवर्तन की दर से है।

कारण:

1. **व्यक्तिगत कारण:** पारिवारिक जिम्मेदारियां, सेवानिवृत्ति, खराब स्वास्थ्य या अन्यत्र बेहतर अवसर।
2. **अपरिहार्य कारण:** व्यापार की मौसमी प्रकृति, कच्चे माल की कमी या छंटनी।

Question 9 (4 Marks)

English: What is 'Idle Time'? Distinguish between Normal Idle Time and Abnormal Idle Time.

Hindi: 'कार्यहीन समय' (Idle Time) क्या है? सामान्य और असामान्य कार्यहीन समय में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Idle Time is the time for which wages are paid to workers, but no production/output is obtained.
 - **Normal Idle Time:** Unavoidable time spent on personal needs, setting up machines, or moving between jobs. Charged to factory overheads.
 - **Abnormal Idle Time:** Avoidable time lost due to power failure, machinery breakdown, or strikes. Charged to Costing Profit and Loss Account.
- **Hindi:** कार्यहीन समय वह समय है जिसके लिए श्रमिकों को मजदूरी दी जाती है, लेकिन कोई उत्पादन प्राप्त नहीं होता है।
 - **सामान्य कार्यहीन समय:** व्यक्तिगत जरूरतों, मशीनों की सेटिंग या एक काम से दूसरे काम पर जाने में लगा अपरिहार्य समय। इसे कारखाना उपरिव्यय में शामिल किया जाता है।
 - **असामान्य कार्यहीन समय:** बिजली गुल होने, मशीन की खराबी या हड़ताल के कारण नष्ट हुआ परिहार्य समय। इसे लागत लाभ-हानि खाते में डाला जाता है।

Question 10 (4 Marks)

English: Explain Overtime premium and its treatment in Cost Accounting as per CAS-7.

Hindi: अधिसमय (Overtime) प्रीमियम और CAS-7 के अनुसार लागत लेखांकन में इसके उपचार को समझाइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Overtime Premium is the extra payment made to workers over and above their normal wage rate for working beyond normal working hours.
 - **Treatment (CAS-7):** If overtime is due to general production pressure, it is treated as Factory Overheads. If it is requested by a specific customer, it is charged directly to

that Job. If due to abnormal reasons (e.g., breakdown), it is charged to Costing P&L A/c.

- **Hindi:** अधिसमय (ओवरटाइम) प्रीमियम सामान्य कार्य घंटों से अधिक काम करने पर श्रमिकों को उनकी सामान्य मजदूरी दर से ऊपर दिया जाने वाला अतिरिक्त भुगतान है।
 - **लेखांकन उपचार (CAS-7):** यदि ओवर-टाइम सामान्य उत्पादन दबाव के कारण है, तो इसे कारखाने के उपरिव्यय में माना जाता है। यदि यह किसी विशिष्ट ग्राहक के अनुरोध पर है, तो इसे सीधे उस जॉब से लिया जाता है। असामान्य कारणों से होने पर इसे लागत लाभ-हानि खाते में भेजा जाता है।

Question 11 (4 Marks)

English: Briefly describe Halsey's Premium Plan of wage payment with its formula.

Hindi: हॉलसे की प्रीमियम योजना का इसके सूत्र सहित संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Halsey's Premium Plan guarantees time wages to workers regardless of output. If a worker saves time compared to the standard time set, they receive a bonus equal to 50% of the time saved at the standard hourly rate.

$$\text{Total Earnings} = (T \times R) + 50\% \times (S - T) \times R$$

Where T = Time Taken, S = Standard Time, R = Rate per hour.

- **Hindi:** हॉलसे की प्रीमियम योजना उत्पादन की परवाह किए बिना श्रमिकों को समयानुसार न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देती है। यदि कोई श्रमिक मानक समय की तुलना में समय बचाता है, तो उसे बचाए गए समय का 50% बोनस के रूप में मानक प्रति घंटा दर पर मिलता है।

$$\text{कुल कमाई} = (T \times R) + 50\% \times (S - T) \times R$$

जहाँ T = लिया गया समय, S = मानक समय, R = प्रति घंटा दर।

Question 12 (4 Marks)

English: Briefly describe Rowan's Premium Plan of wage payment with its formula.

Hindi: रोवन की प्रीमियम योजना का इसके सूत्र सहित संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Rowan's Premium Plan guarantees time wages for actual hours worked. Bonus is calculated as a proportion of time saved to standard time applied to time taken wages.

$$\text{Bonus} = \left(\frac{\text{Time Saved}}{\text{Standard Time}} \right) \times \text{Time Taken} \times \text{Rate}$$

$$\text{Total Earnings} = (T \times R) + \left(\frac{S - T}{S} \right) \times T \times R$$

- **Hindi:** रोवन की प्रीमियम योजना वास्तविक काम किए गए घंटों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देती है। बोनस की गणना मानक समय और बचाए गए समय के अनुपात में ली गई मजदूरी पर की जाती है।

$$\text{बोनस} = \left(\frac{\text{बचाया गया समय}}{\text{मानक समय}} \right) \times \text{लिया गया समय} \times \text{दर}$$

$$\text{कुल कमाई} = (T \times R) + \left(\frac{S - T}{S} \right) \times T \times R$$

Question 13 (4 Marks)

English: Differentiate between Time Rate System and Piece Rate System of wage payment.

Hindi: मजदूरी भुगतान की समय दर पद्धति और कार्यानुसार दर पद्धति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Time Rate System:** Wages are paid based on the time spent on the job (e.g., hourly, daily, monthly) regardless of output produced. Suitable where quality is prioritized over speed.
 - **Piece Rate System:** Wages are paid based on the quantity of output produced by the worker regardless of time taken. Encourages higher production quantity.
- **Hindi:**
 - **समय दर पद्धति:** मजदूरी उत्पादन की परवाह किए बिना काम पर बिताए गए समय (जैसे: प्रति घंटा, दैनिक, मासिक) के आधार पर दी जाती है। जहाँ गति से अधिक गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाती है वहाँ उपयुक्त।
 - **कार्यानुसार (पीस) दर पद्धति:** मजदूरी समय की परवाह किए बिना श्रमिक द्वारा उत्पादित मात्रा के आधार पर दी जाती है। यह अधिक उत्पादन को प्रोत्साहित करती है।

Question 14 (4 Marks)

English: What is Taylor's Differential Piece Rate System?

Hindi: टेलर की विभेदात्मक कार्य-दर प्रणाली (Differential Piece Rate System) क्या है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Taylor's system penalizes slow workers and rewards efficient workers by setting two distinct piece rates based on a standard performance level:
 1. **Below Standard Output:** Paid 80% of the normal piece rate.
 2. **At or Above Standard Output:** Paid 120% of the normal piece rate.

It does not guarantee a minimum day wage.

- **Hindi:** टेलर की प्रणाली मानक प्रदर्शन स्तर के आधार पर दो अलग-अलग दरें तय करके सुस्त श्रमिकों को दंडित और कुशल श्रमिकों को पुरस्कृत करती है:

1. **मानक से कम उत्पादन:** सामान्य कार्य-दर का 80% भुगतान किया जाता है।
2. **मानक या उससे अधिक उत्पादन:** सामान्य कार्य-दर का 120% भुगतान किया जाता है।

यह न्यूनतम दैनिक मजदूरी की गारंटी नहीं देती है।

Question 15 (4 Marks)

English: Define 'Overheads'. How are overheads classified based on functionality?

Hindi: 'उपरिव्यय' (Overheads) को परिभाषित कीजिए। कार्यात्मकता के आधार पर उपरिव्यय का वर्गीकरण कैसे किया जाता है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Overheads are the aggregate of indirect material cost, indirect labor cost, and indirect expenses which cannot be traced directly to a specific cost unit.

Functional Classification:

1. **Factory/Works Overheads:** Expenses incurred in the factory (e.g., factory rent, fuel).
 2. **Administration Overheads:** Expenses incurred in general management and policy execution (e.g., office salaries, audit fees).
 3. **Selling and Distribution Overheads:** Expenses incurred in creating demand and delivering products (e.g., advertisement, carriage outwards).
- **Hindi:** उपरिव्यय अप्रत्यक्ष सामग्री लागत, अप्रत्यक्ष श्रम लागत और अप्रत्यक्ष व्ययों का कुल योग हैं जिन्हें किसी विशिष्ट लागत इकाई से सीधे नहीं जोड़ा जा सकता।

कार्यात्मक वर्गीकरण:

1. **कारखाना उपरिव्यय:** कारखाने में होने वाले व्यय (उदा., कारखाने का किराया, ईंधन)।
2. **प्रशासनिक उपरिव्यय:** सामान्य प्रबंधन और नीतियों के निष्पादन में होने वाले व्यय (उदा., कार्यालय वेतन)।
3. **बिक्री एवं वितरण उपरिव्यय:** मांग पैदा करने और उत्पादों के वितरण में होने वाले व्यय (उदा., विज्ञापन, बाहरी भाड़ा)।

Question 16 (4 Marks)

English: Explain the concept of Cost Collection and Standing Order Numbers.

Hindi: लागत संग्रहण (Cost Collection) और स्थायी आदेश संख्या (Standing Order Numbers) की अवधारणा को समझाइए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Cost Collection:** The process of gathering cost data from source documents (e.g., material requisitions, time cards) under appropriate heads of expenditure.

- **Standing Order Numbers:** Symbolical codes or numbers assigned to specific overhead expenditure heads to facilitate easy identification, grouping, and accounting of indirect costs.
- **Hindi:**
 - **लागत संग्रहण:** व्यय के उपयुक्त शीर्षों के तहत स्रोत दस्तावेजों (जैसे: सामग्री मांग पत्र, समय कार्ड) से लागत विवरण जमा करने की प्रक्रिया।
 - **स्थायी आदेश संख्या:** अप्रत्यक्ष लागतों की आसान पहचान, समूहन और लेखांकन की सुविधा के लिए विशिष्ट उपरिव्यय व्यय शीर्षों को दिए गए प्रतीकात्मक कोड या नंबर।

Question 17 (4 Marks)

English: What is the difference between Allocation and Apportionment of Overheads?

Hindi: उपरिव्ययों के आबंटन (Allocation) और अभिभाजन (Apportionment) में क्या अंतर है?

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Allocation:** The process of identifying and charging the whole amount of an overhead item directly to a specific cost center or department (e.g., electricity meter reading for a specific department).
 - **Apportionment:** The process of splitting and distributing common or indirect overhead costs among multiple cost centers on an equitable basis (e.g., factory rent divided based on floor area).
- **Hindi:**
 - **आबंटन (Allocation):** किसी उपरिव्यय की पूरी राशि को सीधे किसी विशिष्ट लागत केंद्र या विभाग से पहचान कर वसूलने की प्रक्रिया (जैसे: किसी विशिष्ट विभाग के अलग मीटर की बिजली)।
 - **अभिभाजन (Apportionment):** एक से अधिक लागत केंद्रों के बीच सामान्य या अप्रत्यक्ष उपरिव्यय लागतों को न्यायसंगत आधार पर विभाजित और वितरित करने की प्रक्रिया (जैसे: फर्श के क्षेत्रफल के आधार पर कारखाने के किराए का विभाजन)।

Here is **Part 2** containing 17 questions and answers (Questions 18 to 34) covering Chapters 7 to 13 of your **Cost Accounting** syllabus (*Overhead Accounting, Machine Hour Rate, Cost Sheet/Tender, Contract Costing, and Job & Batch Costing*).

Part 2: Questions 18 – 34 (Chapters 7 to 13)

Question 18 (4 Marks)

English: Explain the Secondary Distribution of Overheads. Mention two methods used for service department cost redistribution.

Hindi: उपरिव्यय का द्वितीयक पुनर्वितरण (Secondary Distribution) समझाइए। सेवा विभाग की लागत के पुनर्वितरण के लिए उपयोग की जाने वाली दो विधियों के नाम लिखिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Secondary Distribution is the process of re-apportioning the total overhead costs of service departments (e.g., Maintenance, Stores) to production departments on a suitable basis, as service departments do not directly produce output.

Two Methods:

1. Direct Re-apportionment Method.
 2. Step-Ladder Method (or Reciprocal Service Method).
- **Hindi:** द्वितीयक पुनर्वितरण सेवा विभागों (जैसे: रखरखाव, स्टोर) के कुल उपरिव्यय लागतों को उत्पादन विभागों पर एक उपयुक्त आधार पर पुनः-वितरित करने की प्रक्रिया है, क्योंकि सेवा विभाग सीधे उत्पादन नहीं करते हैं।

दो विधियाँ:

1. प्रत्यक्ष पुनः-अभिभाजन विधि (Direct Re-apportionment Method)।
2. सीढ़ीदार/क्रमबद्ध विधि (Step-Ladder Method या पारस्परिक सेवा विधि)।

Question 19 (4 Marks)

English: What is meant by Absorption of Overheads? State two common methods of absorbing factory overheads.

Hindi: उपरिव्ययों के अवशोषण (Absorption of Overheads) से क्या तात्पर्य है? कारखाना उपरिव्ययों के अवशोषण की दो सामान्य विधियों का उल्लेख कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Absorption of overheads is the process of charging or allocating overhead costs to individual cost units or products manufactured using a predetermined overhead rate.

Two Common Methods:

1. Percentage of Direct Materials / Direct Labour Cost Method.
 2. Labour Hour Rate / Machine Hour Rate Method.
- **Hindi:** उपरिव्यय का अवशोषण पूर्व-निर्धारित उपरिव्यय दर का उपयोग करके उत्पादित व्यक्तिगत लागत इकाइयों या उत्पादों पर उपरिव्यय लागत को वसूलने या आवंटित करने की प्रक्रिया है।

दो सामान्य विधियाँ:

1. प्रत्यक्ष सामग्री / प्रत्यक्ष श्रम लागत का प्रतिशत विधि।
2. श्रम घंटा दर / मशीन घंटा दर विधि।

Question 20 (4 Marks)

English: What is Under-absorption and Over-absorption of Overheads?

Hindi: उपरिव्ययों का अल्प-अवशोषण (Under-absorption) और अति-अवशोषण (Over-absorption) क्या है?

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **Under-absorption:** Occurs when the overhead amount absorbed by products (based on predetermined rates) is *less* than the actual overhead expenses incurred (Absorbed Overhead < Actual Overhead).
- **Over-absorption:** Occurs when the overhead amount absorbed by products is *more* than the actual overhead expenses incurred (Absorbed Overhead > Actual Overhead).

- **Hindi:**

- **अल्प-अवशोषण:** तब होता है जब उत्पादों द्वारा अवशोषित उपरिव्यय राशि (पूर्व-निर्धारित दरों पर) वास्तविक उपरिव्यय खर्चों से *कम* होती है (अवशोषित उपरिव्यय < वास्तविक उपरिव्यय)।
- **अति-अवशोषण:** तब होता है जब उत्पादों द्वारा अवशोषित उपरिव्यय राशि वास्तविक उपरिव्यय खर्चों से *अधिक* होती है (अवशोषित उपरिव्यय > वास्तविक उपरिव्यय)।

Question 21 (4 Marks)

English: Define Machine Hour Rate (MHR). What are Standing Charges and Running Charges?

Hindi: मशीन घंटा दर (MHR) को परिभाषित कीजिए। स्थायी व्यय (Standing Charges) और परिवर्तनशील व्यय (Running Charges) क्या हैं?

Answer / उत्तर:

- **English:** Machine Hour Rate is the cost of operating a machine for one hour.

$$\text{Machine Hour Rate} = \frac{\text{Total Machine Overhead Costs for a Period}}{\text{Total Effective Machine Hours}}$$

- **Standing Charges:** Fixed costs that remain constant regardless of machine operation (e.g., machine insurance, supervisor salary, rent allocated).
- **Running Charges:** Variable costs incurred directly when the machine is operating (e.g., power, fuel, depreciation, repairs).

- **Hindi:** मशीन घंटा दर एक घंटे के लिए मशीन चलाने की लागत है।

$$\text{मशीन घंटा दर} = \frac{\text{किसी अवधि के लिए कुल मशीन उपरिव्यय व्यय}}{\text{कुल प्रभावी मशीन घंटे}}$$

- **स्थायी व्यय (Standing Charges):** मशीन चलने की परवाह किए बिना स्थिर रहने वाले खर्च (जैसे: मशीन का बीमा, सुपरवाइजर का वेतन, आबंटित किराया)।
- **परिवर्तनशील व्यय (Running Charges):** मशीन के चालू होने पर सीधे लगने वाली लागतें (जैसे: बिजली, ईंधन, मूल्यहास, मरम्मत)।

Question 22 (4 Marks)

English: How is the depreciation of a machine calculated while computing Machine Hour Rate?

Hindi: मशीन घंटा दर की गणना करते समय मशीन के मूल्यहास (Depreciation) की गणना कैसे की जाती है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Depreciation per hour is treated as a running/variable charge and is calculated using the straight-line method formula:

$$\text{Depreciation per hour} = \frac{\text{Cost of Machine} + \text{Installation Charges} - \text{Scrap Value}}{\text{Total Estimated Working Life of Machine in Hours}}$$

- **Hindi:** प्रति घंटा मूल्यहास को परिवर्तनशील खर्च (Running Charge) माना जाता है और इसकी गणना सीधी रेखा विधि के सूत्र से की जाती है:

$$\text{प्रति घंटा मूल्यहास} = \frac{\text{मशीन की लागत} + \text{स्थापना व्यय} - \text{अवशिष्ट/स्क्रेप मूल्य}}{\text{घंटों में मशीन का कुल अनुमानित कार्य जीवन}}$$

Question 23 (4 Marks)

English: Define a Cost Sheet. Name the major cost components included in a Cost Sheet in order.

Hindi: लागत पत्रक (Cost Sheet) को परिभाषित कीजिए। लागत पत्रक में क्रमानुसार शामिल प्रमुख लागत घटकों के नाम लिखिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** A Cost Sheet is a periodic document that presents the detailed breakdown of total costs incurred in producing a product or service.

Components in order:

1. Prime Cost (*DirectMaterial + DirectLabour + DirectExpenses*)
 2. Works / Factory Cost (*PrimeCost + FactoryOverheads + OpeningWIP – ClosingWIP*)
 3. Cost of Production (*WorksCost + Office/AdminOverheads*)
 4. Total Cost / Cost of Sales (*CostofGoodsSold + Selling&DistributionOverheads*)
- **Hindi:** लागत पत्रक एक आवधिक विवरण-पत्र है जो किसी उत्पाद या सेवा के निर्माण में लगी कुल लागत का विस्तृत वर्गीकरण प्रस्तुत करता है।

क्रमानुसार घटक:

1. मूल लागत/मूल व्यय (*प्रत्यक्षसामग्री + प्रत्यक्षश्रम + प्रत्यक्षव्यय*)
2. कारखाना लागत (*मूललागत + कारखानाउपरिव्यय + प्रारंभिककार्य – प्रगति – अंतिमकार्य – प्रगति*)
3. उत्पादन लागत (*कारखानालागत + कार्यालयएवंप्रशासनिकउपरिव्यय*)
4. कुल लागत / बिक्री की लागत (*बेचेगएमालकीलागत + बिक्रीऔरवितरणउपरिव्यय*)

Question 24 (4 Marks)

English: What is a Tender or Quotation Price? How is it calculated?

Hindi: निविदा या निरख मूल्य (Tender or Quotation Price) क्या है? इसकी गणना कैसे की जाती है?

Answer / उत्तर:

- **English:** A Tender Price is an estimated selling price offered by a manufacturer to supply specific goods or execute a specific job in the future.

Calculation: It is calculated by estimating the future Prime Cost, adding absorbed overheads (usually as a percentage of direct wages or factory cost derived from past cost sheets), and adding the desired profit margin.

- **Hindi:** निविदा मूल्य किसी निर्माता द्वारा भविष्य में विशिष्ट सामान की आपूर्ति करने या किसी विशिष्ट कार्य को पूरा करने के लिए दी जाने वाली एक अनुमानित बिक्री कीमत है।

गणना: इसकी गणना भविष्य की मूल लागत का अनुमान लगाकर, उसमें पिछले लागत पत्रकों से प्राप्त दरों के आधार पर उपरिव्यय जोड़कर, और फिर वांछित लाभ जोड़कर की जाती है।

Question 25 (4 Marks)

English: Define Contract Costing. What type of industries use Contract Costing?

Hindi: ठेका लागत विधि (Contract Costing) को परिभाषित कीजिए। किस प्रकार के उद्योग ठेका लागत विधि का उपयोग करते हैं?

Answer / उत्तर:

- **English:** Contract Costing is a form of specific order costing applied where work is undertaken to customer specifications, is large-scale, involves high expenditure, and extends over a long period (often spanning multiple financial years).

Industries: Construction of buildings, bridges, dams, roads, and shipbuilding.

- **Hindi:** ठेका लागत विधि विशिष्ट आदेश लागत की एक प्रणाली है जिसे वहां लागू किया जाता है जहां काम ग्राहक की आवश्यकताओं के अनुसार किया जाता है, बड़े पैमाने पर होता है, जिसमें भारी खर्च शामिल होता है और जो लंबी अवधि (अक्सर कई वित्तीय वर्षों) तक चलता है।

उद्योग: भवनों, पुलों, बांधों, सड़कों का निर्माण और जहाज निर्माण।

Question 26 (4 Marks)

English: Explain the terms 'Work Certified' and 'Work Uncertified' in Contract Costing.

Hindi: ठेका लागत विधि में 'प्रमाणित कार्य' (Work Certified) और 'अप्रमाणित कार्य' (Work Uncertified) शब्दों को समझाइए।

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **Work Certified:** The portion of work completed by the contractor that has been inspected, approved, and certified by the contractee's architect or engineer. Valued at contract price.
- **Work Uncertified:** The portion of work completed up to the end of the accounting period that has not yet been inspected or certified by the architect. Valued at actual cost incurred.
- **Hindi:**
 - **प्रमाणित कार्य:** ठेकेदार द्वारा पूरे किए गए कार्य का वह भाग जिसका ठेका देने वाले के वास्तुकार/इंजीनियर द्वारा निरीक्षण, अनुमोदन और प्रमाणीकरण किया जा चुका है। इसका मूल्यांकन अनुबंध मूल्य पर किया जाता है।
 - **अप्रमाणित कार्य:** लेखांकन अवधि के अंत तक पूरा किया गया वह कार्य जिसका अभी तक इंजीनियर द्वारा निरीक्षण या प्रमाणीकरण नहीं किया गया है। इसका मूल्यांकन वास्तविक लागत पर किया जाता है।

Question 27 (4 Marks)

English: What is Retention Money and Escalation Clause in Contract Costing?

Hindi: ठेका लागत विधि में 'रोकी गई राशि' (Retention Money) और 'मूल्यवृद्धि क्लॉज' (Escalation Clause) क्या है?

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Retention Money:** The percentage of certified work value withheld by the contractee (e.g., 10% – 20%) as security against defective work or non-fulfillment of contract terms. $\text{Cash Received} = \text{Work Certified} - \text{Retention Money}$.
 - **Escalation Clause:** A clause in the contract agreement that safeguards the contractor against abnormal increases in the prices of materials, labor, or power during execution.
- **Hindi:**
 - **रोकी गई राशि (Retention Money):** खराब काम या शर्तों के उल्लंघन से सुरक्षा के रूप में ठेका देने वाले द्वारा रोकी गई प्रमाणित कार्य मूल्य की निश्चित प्रतिशत राशि (उदा. 10% – 20%)।
 - **मूल्यवृद्धि क्लॉज (Escalation Clause):** अनुबंध समझौते में एक शर्त जो काम के दौरान सामग्री, श्रम या बिजली की कीमतों में असामान्य वृद्धि से ठेकेदार को सुरक्षा प्रदान करती है।

Question 28 (4 Marks)

English: How is Profit transferred to Profit & Loss Account in incomplete contracts under AS-7?

Hindi: AS-7 के तहत अधूरे ठेकों में लाभ-हानि खाते में लाभ का हस्तांतरण कैसे किया जाता है?

Answer / उत्तर:

- **English:** According to AS-7 (Percentage of Completion Method), revenue/profit is recognized based on the stage of completion of contract activity:
 - If completion is < 25%: No profit is transferred (Profit = Nil).
 - If $25\% \leq \text{Completion} < 50\%$: Transfer $\frac{1}{3} \times \text{Notional Profit} \times \frac{\text{Cash Received}}{\text{Work Certified}}$.
 - If $50\% \leq \text{Completion} < 90\%$: Transfer $\frac{2}{3} \times \text{Notional Profit} \times \frac{\text{Cash Received}}{\text{Work Certified}}$.
- **Hindi:** AS-7 (पूर्णता की प्रतिशतता विधि) के अनुसार, लाभ ठेके के पूरा होने के स्तर के आधार पर मान्यता प्राप्त करता है:
 - यदि पूर्णता < 25% है: कोई लाभ नहीं भेजा जाता (लाभ = शून्य)।
 - यदि $25\% \leq \text{पूर्णता} < 50\%$ है: $\frac{1}{3} \times \text{अनुमानित लाभ} \times \frac{\text{प्राप्त नकद}}{\text{प्रमाणित कार्य}}$ हस्तांतरित करें।
 - यदि $50\% \leq \text{पूर्णता} < 90\%$ है: $\frac{2}{3} \times \text{अनुमानित लाभ} \times \frac{\text{प्राप्त नकद}}{\text{प्रमाणित कार्य}}$ हस्तांतरित करें।

Question 29 (4 Marks)

English: Define Job Costing. State two features of Job Costing.

Hindi: उपकार्य लागत विधि (Job Costing) को परिभाषित कीजिए। इसकी दो विशेषताएं बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Job Costing is a method of costing applied to non-standardized units where work is performed according to specific customer instructions and orders.

Features:

1. Each job has its own unique specifications and identity.
 2. Costs are collected and accumulated separately for each job using a Job Cost Sheet.
- **Hindi:** उपकार्य (जॉब) लागत विधि गैर-मानकीकृत इकाइयों पर लागू लागत निर्धारण की एक विधि है जहाँ कार्य ग्राहक के विशिष्ट निर्देशों और आदेशों के अनुसार किया जाता है।

विशेषताएं:

1. प्रत्येक जॉब की अपनी विशिष्ट पहचान और आवश्यकताएं होती हैं।
2. जॉब लागत पत्रक (Job Cost Sheet) का उपयोग करके प्रत्येक जॉब के लिए लागत अलग से जमा की जाती है।

Question 30 (4 Marks)

English: What is Batch Costing? How is Economic Batch Quantity (EBQ) determined?

Hindi: समूह/समूहवार लागत विधि (Batch Costing) क्या है? आर्थिक समूह मात्रा (EBQ) कैसे निर्धारित की जाती है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Batch Costing is a form of job costing where articles are produced in identical batches or groups rather than as single individual units (e.g., pharmaceutical drugs, footwear, nuts/bolts).

$$EBQ = \sqrt{\frac{2 \cdot D \cdot S}{C \cdot \left(1 - \frac{D}{P}\right)}}$$

Where D = Annual Demand, S = Set-up Cost per batch, C = Carrying Cost, P = Production rate.

- **Hindi:** बैच लागत विधि जॉब लागत की ही एक शैली है जहाँ वस्तुओं को एक-एक इकाई के बजाय समान समूहों (बैच) में निर्मित किया जाता है (जैसे: दवाएं, जूते, नट-बोल्ट)।

$$EBQ = \sqrt{\frac{2 \cdot D \cdot S}{C \cdot \left(1 - \frac{D}{P}\right)}}$$

जहाँ D = वार्षिक मांग, S = प्रति बैच सेट-अप लागत, C = स्टॉक रखने की लागत, P = उत्पादन दर।

Question 31 (4 Marks)

English: Differentiate between Job Costing and Contract Costing.

Hindi: उपकार्य (जॉब) लागत विधि और ठेका (कॉन्ट्रैक्ट) लागत विधि में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Scale and Duration:** Job costing is executed on a smaller scale within a factory site in a short time. Contract costing is large-scale, performed at an outside construction site, and takes a long time.
 - **Payment & Profit:** In Job Costing, full price is paid upon completion and profit is recognized on completed jobs. In Contract Costing, progress payments are made based on architect certification and profit is recognized partially on incomplete contracts.
- **Hindi:**
 - **पैमाना और अवधि:** जॉब लागत विधि कारखाने के भीतर कम समय में छोटे पैमाने पर की जाती है। ठेका लागत विधि बड़े पैमाने पर, कारखाने से बाहर निर्माण स्थल पर की जाती है और इसमें लंबा समय लगता है।
 - **भुगतान और लाभ:** जॉब कॉस्टिंग में पूरा भुगतान पूरा होने पर होता है और लाभ पूर्ण होने पर माना जाता है। ठेका कॉस्टिंग में प्रगति के आधार पर किश्तों में भुगतान होता है और अधूरे ठेकों पर आंशिक लाभ लिया जाता है।

Question 32 (4 Marks)

English: Differentiate between Job Costing and Batch Costing.

Hindi: जॉब कॉस्टिंग (Job Costing) और बैच कॉस्टिंग (Batch Costing) में अंतर बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **Cost Unit:** In Job Costing, the cost unit is a single specific job or customized order. In Batch Costing, the cost unit is a batch/group of identical products.
- **Nature of Production:** Job costing produces unique items per individual customer requirements (e.g., custom tailoring). Batch costing produces standard items in batches for stock and general sales (e.g., medicines).

- **Hindi:**

- **लागत इकाई:** जॉब कॉस्टिंग में लागत इकाई एक विशिष्ट कार्य/आदेश होती है। बैच कॉस्टिंग में लागत इकाई समान उत्पादों का एक समूह (बैच) होती है।
- **उत्पादन की प्रकृति:** जॉब कॉस्टिंग व्यक्तिगत ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार अद्वितीय वस्तुएं बनाती है। बैच कॉस्टिंग स्टॉक और आम बिक्री के लिए बैचों में मानक वस्तुएं बनाती है (उदा. दवाइयां)।

Question 33 (4 Marks)

English: What is a Job Cost Sheet? State two of its primary purposes.

Hindi: जॉब लागत पत्रक (Job Cost Sheet) क्या है? इसके दो प्राथमिक उद्देश्य बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** A Job Cost Sheet is a accounting document used in Job Costing to accumulate and record all costs (Direct Material, Direct Labour, Direct Expenses, and Overhead) incurred on a specific job.

Purposes:

1. To determine the total cost and profit/loss made on a specific job.
 2. To serve as a historical cost record for pricing future similar job tenders.
- **Hindi:** जॉब लागत पत्रक जॉब कॉस्टिंग में उपयोग किया जाने वाला एक दस्तावेज है जो किसी विशिष्ट कार्य/जॉब पर हुए सभी खर्चों (प्रत्यक्ष सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम, प्रत्यक्ष व्यय और उपरिव्यय) को रिकॉर्ड और जमा करता है।

उद्देश्य:

1. किसी विशिष्ट कार्य पर लगी कुल लागत और उस पर हुए लाभ या हानि का निर्धारण करना।
2. भविष्य के समान कार्यों के लिए निविदा मूल्य तय करने हेतु ऐतिहासिक लागत रिकॉर्ड प्रदान करना।

Question 34 (4 Marks)

English: Explain the concept of 'Set-up Cost' in Batch Costing.

Hindi: बैच कॉस्टिंग में 'सेट-अप लागत' (Set-up Cost) की अवधारणा को समझाइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Set-up Cost refers to the fixed expenses incurred in preparing and configuring machinery, tools, and production lines prior to starting a new batch of production (e.g., changing dies, recalibrating equipment). Since set-up cost is fixed per batch, producing larger batch sizes reduces the set-up cost per unit.
- **Hindi:** सेट-अप लागत नए बैच का उत्पादन शुरू करने से पहले मशीनों, औजारों और उत्पादन लाइनों को तैयार और व्यवस्थित करने में होने वाले खर्चों को संदर्भित करती है (जैसे: डाई बदलना, उपकरणों का पुनर्मूल्यांकन करना)। चूंकि प्रति बैच सेट-अप लागत स्थिर होती है, इसलिए बड़ा बैच आकार बनाने से प्रति इकाई सेट-अप लागत कम हो जाती है।

Question 35 (4 Marks)

English: Define Process Costing. Mention two features of industries where Process Costing is applied.

Hindi: प्रक्रिया लागत विधि (Process Costing) को परिभाषित कीजिए। उन उद्योगों की दो विशेषताएं बताइए जहाँ प्रक्रिया लागत विधि लागू होती है।

Answer / उत्तर:

- **English:** Process Costing is a method of costing used where production flows continuously through a series of sequential processes, and output of one process becomes the input for the next.

Features:

1. Continuous and standardized mass production.
 2. Products produced are homogenous and indistinguishable from each other (e.g., chemical, oil refining, sugar).
- **Hindi:** प्रक्रिया लागत विधि लागत निर्धारण की वह प्रणाली है जहाँ उत्पादन निरंतर और क्रमिक प्रक्रियाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से होता है, और एक प्रक्रिया का उत्पादन अगली प्रक्रिया के लिए इनपुट बन जाता है।

विशेषताएं:

1. निरंतर और मानकीकृत बड़े पैमाने पर उत्पादन।
2. उत्पादित वस्तुएं एक समान और एक-दूसरे से अभिन्न होती हैं (जैसे: रसायन, तेल शोधन, चीनी उद्योग)।

Question 36 (4 Marks)

English: Differentiate between Normal Process Loss and Abnormal Process Loss.

Hindi: सामान्य प्रक्रिया हानि (Normal Process Loss) और असामान्य प्रक्रिया हानि (Abnormal Process Loss) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **Normal Process Loss:** Inherent, unavoidable loss expected under standard operating conditions (e.g., evaporation, chemical reaction loss). Its net scrap value is credited to the Process Account, absorbing its cost into good units.
- **Abnormal Process Loss:** Unavoidable excess loss caused by operational inefficiencies (e.g., bad material, breakdown). Its cost is calculated separately and debited to the Costing P&L Account.

- **Hindi:**

- **सामान्य प्रक्रिया हानि:** स्वाभाविक और अपरिहार्य हानि जिसकी सामान्य स्थितियों में उम्मीद होती है (जैसे: वाष्पीकरण, रासायनिक प्रक्रिया)। इसके स्कैप मूल्य को प्रोसेस खाते में क्रेडिट करके शेष लागत को अच्छे उत्पादों में बांट दिया जाता है।
- **असामान्य प्रक्रिया हानि:** कार्यकुशलता की कमी या दुर्घटना के कारण सामान्य सीमा से अधिक होने वाली परिहार्य हानि। इसकी लागत की अलग से गणना करके इसे लागत लाभ-हानि खाते में डेबिट किया जाता है।

Question 37 (4 Marks)

English: What is Abnormal Gain in Process Costing? How is it treated in accounts?

Hindi: प्रक्रिया लागत विधि में असामान्य लाभ (Abnormal Gain) क्या है? खातों में इसका उपचार कैसे किया जाता है?

Answer / उत्तर:

- **English:** Abnormal Gain occurs when the actual process loss is *less* than the expected normal loss (Actual Output > Expected Output).
 - **Treatment:** The Abnormal Gain Account is debited to the Process Account at good unit cost. The loss in scrap value due to reduced normal loss is credited to Abnormal Gain Account, and the balance is transferred to the Costing Profit and Loss Account.
- **Hindi:** असामान्य लाभ तब होता है जब वास्तविक प्रक्रिया हानि अनुमानित सामान्य हानि से *कम* होती है (वास्तविक उत्पादन > अनुमानित उत्पादन)।
 - **लेखांकन उपचार:** असामान्य लाभ खाते को अच्छी इकाइयों की लागत पर प्रोसेस खाते में डेबिट किया जाता है। सामान्य हानि घटने के कारण स्कैप बिक्री में हुई कमी को असामान्य लाभ खाते में क्रेडिट करके शेष शुद्ध लाभ को लागत लाभ-हानि खाते में भेजा जाता है।

Question 38 (4 Marks)

English: Define Joint Products and By-Products with examples.

Hindi: संयुक्त उत्पाद (Joint Products) और उपोत्पाद (By-Products) को उदाहरण सहित परिभाषित करें।

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **Joint Products:** Two or more products of significant economic value produced simultaneously from the same main raw material and process (e.g., Petrol, Diesel, and Kerosene from Crude Oil).
- **By-Products:** Secondary products of minor commercial value incidentally produced during the manufacture of the main product (e.g., Molasses in Sugar industry, Bagasse).
- **Hindi:**
 - **संयुक्त उत्पाद:** एक ही कच्चे माल और प्रक्रिया से एक साथ उत्पादित दो या दो से अधिक महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य वाले उत्पाद (जैसे: कच्चे तेल से पेट्रोल, डीजल और केरोसिन)।
 - **उपोत्पाद:** मुख्य उत्पाद के निर्माण के दौरान प्रासंगिक रूप से उत्पादित कम व्यावसायिक मूल्य वाले गौण उत्पाद (जैसे: चीनी उद्योग में शीरा/Molasses और खोई/Bagasse)।

Question 39 (4 Marks)

English: State two methods of apportioning Joint Costs among Joint Products.

Hindi: संयुक्त उत्पादों के बीच संयुक्त लागतों (Joint Costs) के विभाजन की दो विधियों का उल्लेख कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Two common methods for apportioning joint costs up to the split-off point are:
 1. **Physical Units Method:** Joint costs are allocated based on the relative weight or volume of output at the split-off point.
 2. **Sales Value at Split-off Point Method:** Joint costs are allocated in the ratio of total sales value of each joint product calculated at the point of separation.
- **Hindi:** विभाजन बिंदु तक संयुक्त लागतों के बंटवारे की दो सामान्य विधियां हैं:
 1. **भौतिक इकाई विधि (Physical Units Method):** विभाजन बिंदु पर उत्पादन के भार या मात्रा के अनुपात में संयुक्त लागतों का बंटवारा।
 2. **विभाजन बिंदु पर बिक्री मूल्य विधि:** पृथक्करण बिंदु पर प्रत्येक संयुक्त उत्पाद के कुल बिक्री मूल्य के अनुपात में संयुक्त लागतों का आवंटन।

Question 40 (4 Marks)

English: Why is Reconciliation of Cost and Financial Accounts necessary? State two causes of disagreement.

Hindi: लागत और वित्तीय खातों का समाधान (Reconciliation) क्यों आवश्यक है? अंतर के दो कारण बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Reconciliation is necessary to establish mathematical accuracy, explain the causes of variation between profit shown by Cost Accounts and Financial Accounts, and ensure reliability of cost records.

Causes of variation:

1. Items of income/expenditure included *only* in Financial Accounts (e.g., dividend received, bank interest, profit on sale of assets).
 2. Differences in overhead absorption or stock valuation methods used in both accounting systems.
- **Hindi:** गणितीय शुद्धता स्थापित करने, लागत और वित्तीय खातों द्वारा दिखाए गए लाभ में अंतर का कारण समझाने और लागत रिकॉर्ड की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए समाधान विवरण आवश्यक है।

अंतर के कारण:

1. केवल वित्तीय खातों में शामिल आय/व्यय के मद (उदा: प्राप्त लाभांश, बैंक ब्याज, संपत्तियों की बिक्री पर लाभ)।
2. दोनों लेखांकन प्रणालियों में उपरिव्यय अवशोषण या स्टॉक मूल्यांकन विधियों में भिन्नता।

Question 41 (4 Marks)

English: Name four financial items that appear ONLY in Financial Accounts and not in Cost Accounts.

Hindi: ऐसे चार वित्तीय मदों के नाम बताइए जो केवल वित्तीय खातों में दिखाई देते हैं, लागत खातों में नहीं।

Answer / उत्तर:

- **English:** Four purely financial items:
 1. Dividend received on shares/investments.
 2. Interest received on bank deposits or investments.
 3. Profit or loss on the sale of fixed assets/investments.
 4. Income tax paid and discount on issue of shares/debentures written off.
- **Hindi:** चार विशुद्ध रूप से वित्तीय मद:
 1. शेयरों/निवेश पर प्राप्त लाभांश।
 2. बैंक जमा या निवेश पर प्राप्त ब्याज।
 3. अचल संपत्तियों/निवेशों की बिक्री पर लाभ या हानि।
 4. चुकाया गया आयकर तथा निर्गमित शेयरों/ऋणपत्रों पर बट्टे का अपलेखन।

Question 42 (4 Marks)

English: How does the valuation of opening and closing stock cause profit differences between Cost and Financial Accounts?

Hindi: प्रारंभिक और अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन लागत और वित्तीय खातों के बीच लाभ में अंतर कैसे पैदा करता है?

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - In Financial Accounts, stock is valued at **Cost or Net Realizable Value, whichever is lower**. In Cost Accounts, stock is generally valued at **cost of production**.
 - **Overvaluation of Opening Stock or Undervaluation of Closing Stock** in Cost Accounts decreases costing profit relative to financial profit (and vice versa).
- **Hindi:**
 - वित्तीय खातों में स्टॉक का मूल्यांकन **लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो** पर किया जाता है। लागत खातों में स्टॉक का मूल्यांकन आमतौर पर **उत्पादन लागत** पर होता है।
 - लागत खातों में **प्रारंभिक स्टॉक का अतिमूल्यांकन** या **अंतिम स्टॉक का अवमूल्यांकन** वित्तीय लाभ की तुलना में लागत लाभ को घटा देता है।

Question 43 (4 Marks)

English: Define Operating Costing (Service Costing). Name two industries where it is used.

Hindi: परिचालन लागत विधि (Operating Costing) को परिभाषित कीजिए। दो उद्योगों के नाम बताइए जहाँ इसका उपयोग किया जाता है।

Answer / उत्तर:

- **English:** Operating Costing (or Service Costing) is a method of costing applied to undertakings that render services rather than produce physical goods.

Industries: Transport undertakings (buses, railways), Hospitals, Hotels, Electricity supply companies.

- **Hindi:** परिचालन लागत विधि (या सेवा लागत विधि) लागत निर्धारण की वह प्रणाली है जो उन उपक्रमों पर लागू होती है जो भौतिक वस्तुओं का उत्पादन करने के बजाय सेवाएं प्रदान करते हैं।

उद्योग: परिवहन उपक्रम (बस, रेलवे), अस्पताल, होटल, बिजली आपूर्ति कंपनियां।

Question 44 (4 Marks)

English: What is a Composite Cost Unit in Operating Costing? Give two examples.

Hindi: परिचालन लागत विधि में संयुक्त लागत इकाई (Composite Cost Unit) क्या है? दो उदाहरण दीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** A Composite Cost Unit is a complex cost unit formed by combining two individual measuring units to accurately reflect the volume of service rendered.

Examples:

1. **Passenger-Kilometer** (used in passenger transport undertakings).
 2. **Ton-Kilometer** (used in goods transport/freight undertakings).
 3. **Patient-Day** (used in hospitals).
- **Hindi:** संयुक्त लागत इकाई एक जटिल इकाई है जो प्रदान की गई सेवा की मात्रा को सटीक रूप से दर्शाने के लिए दो अलग-अलग मापक इकाइयों को मिलाकर बनाई जाती है।

उदाहरण:

1. यात्री-किलोमीटर (बस/यात्री परिवहन में)।
2. टन-किलोमीटर (माल ढोना/मालगाड़ी में)।
3. मरीज-दिन (अस्पतालों में)।

Question 45 (4 Marks)

English: Distinguish between Standing Charges and Running Charges in Transport Costing.

Hindi: परिवहन लागत विधि में स्थायी व्यय (Standing Charges) और परिवर्तनशील व्यय (Running Charges) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Standing Charges (Fixed):** Expenses incurred irrespective of vehicle movement or distance covered (e.g., Road Tax, Vehicle Insurance, Driver's monthly salary, Garage rent).
 - **Running/Operating Charges (Variable):** Expenses directly dependent on the distance traveled or vehicle operation (e.g., Petrol/Diesel, Lubricating oil, Depreciation based on mileage, Tyres/Tubes wear and tear).
- **Hindi:**
 - **स्थायी व्यय (Fixed):** वाहन चलने या दूरी तय करने की परवाह किए बिना होने वाले खर्चे (जैसे: रोड टैक्स, बीमा, ड्राइवर का मासिक वेतन, गैरेज का किराया)।
 - **परिवर्तनशील व्यय (Variable):** तय की गई दूरी या वाहन के चलने पर सीधे निर्भर करने वाले खर्चे (जैसे: पेट्रोल/डीजल, ग्रीस/तेल, दूरी के आधार पर मूल्यहास, टायर-ट्यूब घिसावट)।

Question 46 (4 Marks)

English: Define Cost Audit. Mention two objectives of Cost Audit.

Hindi: लागत अंकेक्षण (Cost Audit) को परिभाषित कीजिए। लागत अंकेक्षण के दो उद्देश्य बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Cost Audit is the critical verification of cost accounts, records, and statements to ensure their accuracy and adherence to Cost Accounting Standards and plans.

Objectives:

1. To verify that cost records are properly maintained as per legal provisions and standards.
 2. To detect errors, frauds, and operational inefficiencies, thereby reducing cost.
- **Hindi:** लागत अंकेक्षण लागत खातों, रिकॉर्डों और विवरणों का एक गहन सत्यापन है ताकि उनकी शुद्धता और लागत लेखांकन मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

उद्देश्य:

1. यह सत्यापित करना कि कानून और मानकों के अनुसार लागत रिकॉर्ड ठीक से बनाए गए हैं।
2. त्रुटियों, कपट और परिचालन अकुशलता का पता लगाना ताकि लागत कम की जा सके।

Question 47 (4 Marks)

English: Differentiate between Cost Audit and Financial Audit.

Hindi: लागत अंकेक्षण (Cost Audit) और वित्तीय अंकेक्षण (Financial Audit) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**
 - **Scope:** Financial Audit verifies the true and fair view of Balance Sheet and P&L Account for shareholders. Cost Audit verifies the correctness of cost records for management and regulatory authorities.
 - **Qualification:** Financial Auditor must be a Chartered Accountant (CA). Cost Auditor must be a Practicing Cost Accountant (CMA).
- **Hindi:**
 - **क्षेत्र:** वित्तीय अंकेक्षण शेयरधारकों के लिए बैलेंस शीट और लाभ-हानि खाते की सत्यता की जांच करता है। लागत अंकेक्षण प्रबंधन और सरकार के लिए लागत रिकॉर्ड की शुद्धता का सत्यापन करता है।
 - **योग्यता:** वित्तीय अंकेक्षक चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) होना चाहिए। लागत अंकेक्षक एक अभ्यासकर्ता लागत लेखाकार (CMA) होना चाहिए।

Question 48 (4 Marks)

English: What are Cost Accounting Standards (CAS)? Name the issuing authority in India.

Hindi: लागत लेखांकन मानक (CAS) क्या हैं? भारत में इन्हें जारी करने वाली संस्था का नाम लिखिए।

Answer / उत्तर:

- **English:** Cost Accounting Standards (CAS) are set of principles and guidelines issued to achieve uniformity, consistency, and comparability in cost determination and financial reporting.

Issuing Authority: Cost Accounting Standards Board (CASB) set up by the **Institute of Cost Accountants of India (ICMAI)**.

- **Hindi:** लागत लेखांकन मानक (CAS) नियमों और सिद्धांतों का एक समूह है जो लागत निर्धारण और प्रस्तुतीकरण में एकरूपता, निरंतरता और तुलनात्मकता लाने के लिए जारी किए जाते हैं।

जारीकर्ता संस्था: इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICMAI) द्वारा स्थापित लागत लेखांकन मानक बोर्ड (CASB)।

Question 49 (4 Marks)

English: Briefly explain CAS-3 and CAS-7.

Hindi: CAS-3 और CAS-7 का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

Answer / उत्तर:

- **English:**

- **CAS-3 (Overheads):** Deals with the principles and methods of determining, allocating, apportioning, and absorbing overheads in cost statements.
- **CAS-7 (Employee Cost):** Deals with principles and methods of classification, measurement, and assignment of employee costs (salaries, wages, bonus, perks) to cost units.

- **Hindi:**

- **CAS-3 (उपरिव्यय):** लागत विवरणों में उपरिव्यय के निर्धारण, आबंटन, अभिभाजन और अवशोषण के सिद्धांतों और तरीकों से संबंधित है।
- **CAS-7 (कर्मचारी लागत):** कर्मचारी लागत (वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते) के वर्गीकरण, मापन और लागत इकाइयों पर आवंटन के सिद्धांतों से संबंधित है।

Question 50 (4 Marks)

English: State the main objectives of introducing Cost Accounting Standards in India.

Hindi: भारत में लागत लेखांकन मानकों को लागू करने के मुख्य उद्देश्य बताइए।

Answer / उत्तर:

- **English:** The main objectives are:

1. To bring uniformity and consistency in cost accounting principles and practices across industries.
2. To facilitate accurate product pricing, valuation of inventories, and cost control for management.
3. To assist regulatory authorities in statutory cost compliance and tax assessments.

- **Hindi:** मुख्य उद्देश्य हैं:

1. विभिन्न उद्योगों में लागत लेखांकन के सिद्धांतों और प्रथाओं में एकरूपता और निरंतरता लाना।
2. प्रबंधन के लिए सटीक उत्पाद मूल्य निर्धारण, स्टॉक मूल्यंकन और लागत नियंत्रण की सुविधा प्रदान करना।
3. वैधानिक लागत अनुपालन और कर आकलन में नियामक प्राधिकरणों की सहायता करना।